Shri Narsingh (Narasimha) Gayatri Mantra

।। श्री नृसिंह गायत्री मंत्र ।।

भक्त प्रहलाद की रक्षा के लिए भगवान विष्णु ने नरसिंह अवतार धारण किया था। कलयुग में नृसिंह भगवान की उपासना सभी कष्टों से मुक्ति के लिए की जाती है। इनकी साधना से शत्रु द्वारा किया गया अभिचारिक प्रयोग पूर्ण रूप से नष्ट हो जाता है। इनके साधक का कोई बाल भी बाका नही कर सकता एवं भूत, प्रेत, पिशाच आदि सभी इनके भक्तों के आगे नतमस्तक हो जाते हैं।

उपासना विधि

भगवान नृसिंह बहुत ही उग्र देवता हैं और इनकी उपसना में की गयी कोई भी गलती क्षम्य नही है। इसीलिए इनकी साधना किसी अनुभवी गुरू के सानिध्य में ही करनी चाहिए।

अपने गुरूदेव, गणेश जी आदि का ध्यान करने के पश्चात श्री नृसिंह भगवान का धूप, दीप, नैवेद्य आदि से पूजन करना चाहिए

श्री नृसिंह गायत्री मंत्र

ॐ उग्रनृसिंहाय विद्महे वज्रनखाय धीमहि तन्नोनृसिंह प्रचोदयात् ।

Om UgraNarasinhaya Vidmahe Vajra-Nakhaya Dheemahi
Tanno Narasinh Prachodayath

उपरोक्त मंत्र का 1,25,000 की संख्या में जप करें। उसके पश्चात होम, तर्पण, मार्जन एवं ब्राहमण भोज का आयोजन करना चहिए। मंत्र सिद्ध होने के पश्चात इसका काम्य प्रयोग किया जा सकता है।